RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 253
दि. 13.01.2026,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

पीएम ने कहा- भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी, भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां

गांधीनगर, (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज के बीच सोमवार को गांधीनगर के महात्मा मंदिर कनवेंशन सेंटर में द्विपक्षीय वार्ता हुई।

वार्ता के बाद पीएम ने कहा- भारत-जर्मनी करीबी सहयोगी हैं। इसीलिए आज भारत में 2000 से ज्यादा जर्मन कंपनियां हैं। यह जर्मनी के भारत के प्रति अटूट विश्वास को दशार्ता है।

भारत और जर्मन नई परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी। भारत और जर्मनी हरेक फील्ड में मिलकर काम कर रहे हैं। आज हुए एमओयू से और मजबूती बढ़ेगी।

चांसलर मर्ज की ये यात्रा एक विशेष समय पर हो रही है। पिछले वर्ष हमने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे किए और इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी मना रहे हैं।

भारत-जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं के बीच करीबी सहयोग पूरी मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। रक्षा व्यापार से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने के लिए मैं चांसलर मर्ज का आभार व्यक्त करता हूं। रक्षा और सुरक्षा में बढ़ता सहयोग हमारे आपसी भरोसे और साझी सोच का प्रतीक है। बढ़ते व्यापार और निवेश संबंधों ने हमारी स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को नई ऊर्जा दी है। भारत सभी समस्याओं और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान का पक्षधर रहा है। भारत और जर्मनी सहमत हैं कि ग्लोबल चुनौतियों से निपटने के लिए ग्लोबल इंस्टीट्यूशन में सुधार बहुत जरूरी है।

आज हायर एजुकेशन पर बना रोडमैप शिक्षा के क्षेत्र में हमारी साझेदारी को नई दिशा देगा। मैं जर्मन विश्वविद्यालयों को भारत में अपने कैंपस खोलने का आमंत्रण देता हूं।

एकसाथ कार में बैठे मोदी-मर्ज

मोदी और फ्रेडरिक मर्ज सभी कार्यक्रमों के बाद एक ही कार में साथ सफर किया। इसकी फोटो पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा की।

उन्होंने लिखा- भारत और जर्मनी की दोस्ती साझा मूल्यों, व्यापक सहयोग और आपसी समझ के जरिए

लगातार मजबूत हो रही है। यह तस्वीर दोनों नेताओं के बीच व्यक्तिगत तालमेल का प्रतीक मानी जा रही है।

दोनों नेता सुबह साबरमती आश्रम पहुंचे

दोनों नेताओं ने सोमवार सुबह सबसे पहले अहमदाबाद में साबरमती आश्रम पहुंचकर महात्मा गांधी को नमन किया था।

आश्रम के बाद मोदी-मर्ज साबरमती रिवरफ्रंट पहुंचे थे। यहां पर इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल में शामिल होकर साथ में पतंग उड़ाई थी।

वहीं, पीएम मोदी के तीन दिन के गुजरात दौरे का आज आखिरी दिन है।

पीएम मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज साबरमती आश्रम पहुंचे थे।

पीएम मोदी और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज साबरमती आश्रम पहुंचे थे।

मर्ज ने लिखा- गांधी के आदर्शों की आज ज्यादा जरूरत

आश्रम का दौरा करने के बाद फ्रेडरिक मर्ज ने गेस्ट बुक ने लिखा- महात्मा गांधी की अहिंसा की अवधारणा, स्वतंत्रता की शक्ति में उनका विश्वास और हरेक व्यक्ति की गरिमा में उनकी आस्था आज भी लोगों को प्रेरित करती है। गांधी के आदर्शों की आज पहले से कहीं ज्यादा आवश्यकता है।

भारत-जर्मनी संयुक्त वक्तव्य

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर जर्मनी गणराज्य के संघीय चांसलर श्री फ्रेडरिक मर्ज. ने 12-13 जनवरी 2026 को भारत की आधिकारिक यात्रा की। चांसलर के साथ 23 प्रमुख जर्मन सीईओ और उद्योगपतियों सहित एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी था।

चांसलर श्री मर्ज. की भारत की यह पहली आधिकारिक यात्रा थी और संघीय चांसलर के रूप में एशिया की यह उनकी पहली यात्रा थी, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख रणनीतिक साझेदार के रूप में भारत को जर्मनी द्वारा दिए जाने वाले उच्च प्राथमिकता को दशार्ती है। यह दौरा 25 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में आयोजित सफल 7वें भारत-जर्मनी अंतर-सरकारी परामर्श (आईजीसी) के बाद हुआ है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आया है। 2025 में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं और 2026 में राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दोनों नेताओं ने सरकार, व्यापार, नागरिक समाज और शिक्षा जगत में द्विपक्षीय सहयोग में आई नई गति की सराहना की, जिसने रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने और गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में चांसलर श्री मर्ज. का स्वागत किया। दोनों नेताओं ने

संक्षिप्त समाचार

लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू (जो क्रमशः 13 और 14 जनवरी को पड़ते हैं) की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, ह्ललोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ बिहू त्योहारों के शुभ अवसर पर, मैं सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। ये त्योहार हमारी समृद्ध कृषि परंपराओं और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं। ये हमारी जीवंत और विविध सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब हैं। ये त्योहार हमारे किसानों की कड़ी मेहनत को सलाम करने का अवसर हैं जो देश को भोजन खिलाने के लिए अथक प्रयास करते हैं।

'भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया, न ही अपनी बात थोपी', सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कहा कि भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया और न ही अपनी बात थोपी। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर उम्मीद से देख रही है, जो भारत के सामर्थ्य और युवाओं पर विश्वास का प्रतीक है।

(जीएनएस)।

लखनऊः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिन्दू धर्म की महानता और मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने की बात कही। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी किसी को गुलाम नहीं बनाया और न ही अपनी बात किसी पर थोपी, भले ही उसके पास बल और बुद्धि थी। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि दुनिया आज भारत की ओर उम्मीद से देख रही है, जो भारत के सामर्थ्य और युवाओं पर विश्वास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्वामी विवेकानंद को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारत की सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना को वैश्विक मंच पर अपनी

बौद्धिक प्रतिभा से परिचित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विवेकानंद ने कहा था कि सनातन धर्म ने सदैव मानवता के कल्याण का मार्ग दिखाया है। उन्होंने गर्व से कहा था कि "मैं हिन्दू हूं।" वह उस भारत का प्रतिनिधित्व करते थे जो उस समय सुप्त चेतना के कारण आत्मबोध खो चुका था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुट्ठी भर विदेशी आक्रांता भारत को गुलाम बनाने में सफल हो गए थे और भारत चंद लोगों द्वारा लूटा जा रहा था। उस कालखंड में स्वामी विवेकानंद ने भारत को जागरूक करने में अहम भूमिका निभाई। शिकागो की धर्मसभा में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि वे भारत की उस परंपरा से आए हैं जिसने सदैव मानव कल्याण का मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा था कि उन्होंने किसी पर जबरन अपनी बात नहीं थोपी। भारत ने विपत्ति के समय दुनिया की शक्तियों को शरण दी है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, "मैं गर्व से कहता हूं मैं हिंदू हूं।"

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत ने किसी को गुलाम नहीं बनाया और मानवता के कल्याण का महान मार्ग अपनाया है। उन्होंने कहा कि हमने अपनी बात किसी पर नहीं थोपा है। हमारे पास बल था बुद्धि थी पर हमने उसका दुरुपयोग नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज दुनिया में जो उथल पुथल मची हुई है और हर देश की आवाज आ रही है कि "मोदी जी कुछ करिये.."। यह भारत के सामर्थ्य के प्रति दुनिया का विश्वास है। उस विश्वास का प्रतीक भारत का युवा है। जब अंतिम पायदान पर बैठे हुए व्यक्ति का विश्वास शासन के प्रति मजबूत होता है, तो योजनाएं तेजी के साथ आगे बढ़ती हुई दिखाई देती हैं।

पीएम मोदी का तीन दिवसीय गुजरात दौरा संपन्न

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को अहमदाबाद एयरपोर्ट से भावपूर्ण विदाई दी गई

गांधीनगर, 12 जनवरी : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को अपने गुजरात के तीन दिवसीय दौरे को पूर्ण कर अहमदाबाद एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए।

एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री को राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी एवंएवं महानुभावों ने भावपूर्ण विदाई दी।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री को मुख्य सचिव श्री एम.के. दास, राजनीतिक अग्रणी श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, एयर मार्शल तेजेंद्र सिंह, अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा, राज्य के प्रभारी पुलिस महानिदेशक श्री के. एल. एन. राव, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी श्री ज्वलंत त्रिवेदी, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं पदाधिकारी ने भावपूर्ण विदाई दी।

उपराष्ट्रपति ने की युवाओं से बौद्धिक अखंडता और राष्ट्र निर्माण की भावना बनाए रखने की अपील

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया, स्नातक छात्रों को बधाई दी और उनसे अपने ज्ञान और कौशल को राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने का आग्रह किया।

उपराष्ट्रपति ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उनके उपदेशों का स्मरण करते हुए कहा कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसका उद्देश्य चरित्र निर्माण करना, बुद्धि को सुदृढ़ करना और व्यक्तियों को आत्मनिर्भर बनाना होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि उचित शिक्षा और प्रशिक्षण ही भारत के युवाओं को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में सक्षम बनाएगा।

उपराष्ट्रपति ने भारत की ज्ञान की सभ्यतागत परंपरा को रेखांकित करते हुए नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्रों का उल्लेख किया और कहा कि उपनिषदों और भगवद् गीता से लेकर कौटिल्य के अर्थशास्त्र और तिरुवल्लुवर के तिरुक्कुरल तक, भारतीय धर्मग्रंथों और प्राचीन पुस्तकों ने निरंतर शिक्षा को सामाजिक और नैतिक जीवन के केंद्र में रखा। उन्होंने रेखांकित किया कि सच्ची शिक्षा आचरण और चरित्र का निर्माण करती है और यह केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर बल दिया कि आधुनिक विज्ञान और पारंपरिक मूल्यों का साथ-साथ विकास होना चाहिए। जेएनयू के लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि बहस, चर्चा, असहमति और यहां तक कि टकराव भी एक स्वस्थ लोकतंत्र के आवश्यक तत्व हैं।

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने स्वामी विवेकानंद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति आवास पर भारत के महानतम आध्यात्मिक दिग्गज स्वामी विवेकानंद

की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में स्वामी विवेकानंद की अमर विरासत का स्मरण करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि स्वामीजी के जीवन और शिक्षाओं में आंतरिक शक्ति, आत्म-

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 13 जनवरी को गुजरात दौरे पर रहेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 13 जनवरी, मंगलवार को गुजरात के भावनगर जिले के पालीताणा तालुका स्थित हणोल गांव में आयोजित ह्लआत्मनिर्भर हणोल महोत्सव-2026ह्व में शामिल होने के लिए गुजरात का दौरा करेंगे। यह गांव केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुखभाई मांडविया के सतत प्रयासों से पूज्य बापू के ग्राम स्वराज के विचार और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आदर्श ग्राम के संकल्प का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा है।

डॉ. मनसुखभाई मांडविया का हणोल से आत्मिक और व्यक्तिगत जुड़ाव है, क्योंकि यही उनका जन्म स्थान है और उन्होंने यहां विकास कार्यों की निरंतर समीक्षा कर ग्राम को मॉडल विलेज के रूप में विकसित किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के ह्लड्रीम विलेजह्व विजन को साकार करने के लिए डॉ. मांडविया के मार्गदर्शन में बुनियादी सुविधाओं, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्राम उद्योग के क्षेत्र में अनेक नवाचारपूर्ण प्रकल्प लागू किए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का यह दौरा, डॉ. मांडविया द्वारा विकसित हणोल मॉडल को देशभर में आत्मनिर्भर और आदर्श गांवों के रूप में प्रसार करने की संयुक्त प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा।

जर्मनी के स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ के नेतृत्व में जर्मन बिजनेस डेलीगेशन की मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ गांधीनगर में उच्च स्तरीय बैठक

गांधीनगर, (जीएनएस)। 12 जनवरी :जर्मनी के स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ के नेतृत्व में जर्मन बिजनेस डेलीगेशन ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के साथ उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की। यह डेलीगेशन भारत-जर्मन सीईओ फोरम में सहभागी होने के लिए भारत-गुजरात की यात्रा पर आया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी तथा जर्मन चांसलर श्री फ्रेडरिक मर्ज की उपस्थिति में आयोजित सीईओ फोरम की सफलता के लिए इस डेलीगेशन को अभिनंदन देने के साथ गुजरात में उनका स्वागत किया।

डेलीगेशन के सदस्यों ने गुजरात के देश के जीडीपी ग्रोथ में 8 प्रतिशत से अधिक का महत्वपूर्ण योगदान दिए जाने पर प्रभावित होते हुए कहा कि वे विशेषकर एसएमई सेक्टर में बिजनेस एंड इकोनॉमी संबंध बढ़ाने को उत्सुक हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में अब देश के राज्यों के ग्रोथ रेट बढ़ाने की ओर आगे बढ़ने की भूमिका दी और इस संदर्भ में कहा कि जर्मनी के उद्योगों ने गुजरात पर जो भरोसा रखा है, उसे अधिक सुदृढ़ बनाकर आपसी सहयोग से हम अधिक प्रगति कर सकेंगे।

उन्होंने इस बैठक में चचाओं के दौरान कहा कि प्रधानमंत्री जर्मनी के साथ विश्वसनीय मित्र के रूप में आगे बढ़ना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में गुजरात एवं जर्मनी के औद्योगिक संबंधों को अधिक गहराईपूर्वक तथा दीर्घावधि के लिए विकसित कर गुजरात में जर्मन कंपनियों के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को अधिक वेग मिले; ऐसी हमारी मंशा है। मुख्यमंत्री ने बैठक में जर्मन उद्योगों के निवेशों को अधिक सुविधापूर्ण बनाने के लिए हेल्प डेस्क शुरू करने के दिशानिर्देश भी दिए।

जर्मन स्टेट सेक्रेटरी श्री स्टिफन राउएनहोफ ने चर्चा के दौरान कहा कि जर्मनी अपनी सप्लाई चेन डाइवसीर्फाई करना चाहता है, जिसमें गुजरात को उसकी पसंद बनाने के लिए लॉजिस्टिक्स, प्रोडक्शन स्ट्रक्चर एवं इकोनॉमिक फ्रेमवर्क में विद्यमान चुनौतियों का हल होना अपेक्षित है।

उन्होंने जोड़ा कि गुजरात एनर्जी सेक्टर में अग्रसर है। इसमें रिन्यूएबल एनर्जी ग्रिड तथा स्टोरेज की जर्मन टेक्नोलॉजी की एक्सपर्टीज का सहयोग मिल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने विकसित भारत@2047 का जो विजन दिया है, उसमें गुजरात लीड लेने को सज्ज है। 2030 तक 100 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी उत्पादन के लक्ष्य के साथ-साथ विकसित गुजरात@2047 का रोडमैप तैयार कर 6 रीजनल ग्रोथ हब तथा वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से जिला स्तर पर फोकस सेक्टर भी तैयार किए गए हैं।

सम्पादकीय

अमेरिकी राष्ट्रपति के हाथ हजारों ईरानियों के खून से सने हैं : खामेनेई

ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और बेकाबू हो गए। एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन पैल चुका है। प्रदर्शनकारियों ने सड़के ब्लाक की, आग लगाई। लोग खामेनेई की मौत और इस्लामिक रिपब्लिकन का अंत हुआ, जैसे नारे लगा रहे थे। वुछ जगहों पर प्रदर्शनकारी व्रउन प्रिंस रजा पहलवी के समर्थन में नारे लगा रहे थे। वह नारा लगा रहे थे यह आखिरी लड़ाई है शाह पहलवी लौटेंगे। अमेरिकन १मून राइट एजेंसी के मुताबिक प्रदर्शनों के दौरान हुई हिसा में अब तक 200 लोग मारे गए हैं। जिसमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की भी चावू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2270 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। ईंरान में महंगाई के खिलाफ आम लोगों का विरोध प्रदर्शन धीरे-धीरे तेहरान बनाम वाशिगटन होता जा रहा है। ईंरानी मीडिया खुलेआम कह रहा है कि प्रदर्शनकारियों को सीआईंए और मोसाद हवा व मदद दे रहा है। प्रदर्शन की आड़ में वाशिगटन और तेल अवीव सत्ता परिवर्तन करवाना चाहता है। वह खामेनेई को भगाना चाहता है और ईरान के मुल्ला सत्ता को उखाड़ पेंक शाह पहलवी को सत्ता पर बिठाना चाहता है। इसके पीछे ईरान का तेल और अन्य कीमती खनिज पदार्थ ट्रंप अपने हाथ में लेना चाहता है। इसमें कोई शक नहीं कि ईरानी जनता महंगाई, बेरोजगारी से परेशान है और इसलिए सड़कों पर उतरी है। पर इस असंतोष का फायदा ट्रंप उठाना चाहते हैं और इस बहाने वह सत्ता परिवर्तन करना चाहते हैं। पर यह काम इतना आसान नहीं होगा।

ईरानी एक बहुत बहादुर और लड़ावू कौम है। वह अपनी सरकार से नाराज तो हो सकते हैं। पर वह अपने देश की कमान ट्रंप के हाथ में नहीं देना चाहेंगे। प्रदर्शनों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला अली खामेनेई ने शुव्रवार को स्पष्ट और सख्त संदेश दिया कि इस्लामिक गणराज्य किसी भी हालत में पीछे नहीं हटेगा। सरकारी टीवी पर प्रसारित भाषण में 86 वषीय खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को विदेश समर्पित तत्व करार दिया और कहा कि उनका उद्देश्य ईरान को अस्थिर करना है।

खामेनेई ने विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति के हाथ हजारों ईरानियों के खून से सने हैं। दरअसल ईरान की समस्या बहुत हद तक अमेरिकी और पमि देशों ने पैदा की हुई है। वर्षों से ईरान को आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। इस समय भी परमाणु हथियारों के कार्यव्रम पर रोक नहीं लगाने के आरोप में अमेरिका और यूरोप ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लाद रखे हैं। इन पाबंदियों की वजह से ईंरान की इकोनॉमी डूबने की कगार पर पहुंच चुकी है। दशकों का इन पाबंदियों की वजह से ईरान को कभी संभलने का मौका नहीं मिला। ताजा विरोध प्रदर्शन देश के अधिकतर हिस्सों में पैल चुका है। इंटरनेट बंद है और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में चिता है। पर यह ईरान का अंदरूनी मामला है और एक संप्रभु देश के मामले में अमेरिका या और किसी देश को वूदने का भी अधिकार नहीं है। अमेरिका और इजरायल आए दिन ईरान पर सैनिक कार्रवाई करने की धमकी दे रहा है।

वीजीआरसी-2026 : वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में 5.78 लाख करोड़ रुपए के 5492 एमओयू संपन्न : कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

विकसित भारत@2047 के संकल्प में सौराष्ट्रझ्रकच्छ बनेगा देश का ग्रोथ इंजन : मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी

श्री जीतूभाई वाघाणी ने 15 जनवरी तक चलने वाली एग्जीबिशन का अधिक से अधिक लाभ लेने का औद्योगिक इकाइयों और नागरिकों से किया अनुरोध

सौराष्ट्र के उद्योगकार न्यू एज टेक्नोलॉजी क्षेत्र में निवेश कर आगे बढ़ें : कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया का आह्वान

'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' सौराष्ट्र कच्छ की क्षमता को दुनिया के समक्ष उजागर करने का बड़ा प्लेटफॉर्म बनी : कैबिनेट मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया

वीजीआरसी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एमएसएमई और प्रतिभागियों को पुरस्कार से सम्मानित किया गया

राजकोट, 12 जनवरी : राजकोट स्थित मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में आयोजित दो दिवसीय 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस-कच्छ और सौराष्ट्र' का सोमवार को समापन हुआ। कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने इस कॉन्फ्रेंस के दौरान 5.78 लाख करोड़ रुपए के निवेश के 5492 समझौता ज्ञापन (एमओयू) होने की घोषणा की।

समापन समारोह को संबोधित करते हुए राज्य के कैबिनेट मंत्री श्री जीतूभाई वाघाणी ने कहा कि वर्ष 2047 तक सौराष्ट्र और कच्छ को विकसित बनाने के लिए राज्य सरकार ने एक ठोस रोडमैप तैयार किया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब वर्ष 2003 में वाइब्रेंट गुजरात की शुरूआत की थी, तब उन्हें अनेक आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था, लेकिन उनके अचल विश्वास और विजन के कारण आज गुजरात और भारत विकास की लंबी छलांग लगा रहे हैं। उन्होंने गर्व से कहा कि इस रीजनल कॉन्फ्रेंस में हमारे प्रधानमंत्री की मौजूदगी, जिनसे दुनिया भर की प्रतिष्ठित औद्योगिक इकाइयां मिलने को आतुर होती हैं, यह दशार्ती है कि सौराष्ट्र और कच्छ का विकास उनके लिए कितना मायने रखता है।

मंत्री श्री वाघाणी ने वाइब्रेंट गुजरात की ऐतिहासिक यात्रा और सफलता के आंकड़े पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2003 में पहले वाइब्रेंट गुजरात के दौरान केवल 66 हजार करोड़ रुपए के 80 एमओयू किए गए थे, जिसके मुकाबले आज राजकोट में आयोजित इस रीजनल कॉन्फ्रेंस में ही 5.78 लाख करोड़ रुपए के 5492 एमओयू संपन्न हुए हैं। ये आंकड़ें और अनेक देशों की सहभागिता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर अटूट विश्वास को दिखाते हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत, स्टार्टअप इंडिया और मेक इन इंडिया जैसे आयाम साकार हो रहे हैं, जिसका सीधा लाभ गुजरात के उद्योगपतियों और इकाइयों को मिल रहा है।

उन्होंने कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न सेक्टरों में हुई गहरी चचाओं के उद्योगों के लिए मार्गदर्शक साबित होने का विश्वास व्यक्त करते हुए औद्योगिक इकाइयों और नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में आगामी 15 जनवरी तक चलने वाली वाइब्रेंट गुजरात रीजनल एग्जीबिशन का लाभ लेने का अनुरोध किया। अंत में, उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि जब भारत विश्वगुरु के स्थान पर विराजेगा, तब सौराष्ट्र और कच्छ उसके मुख्य

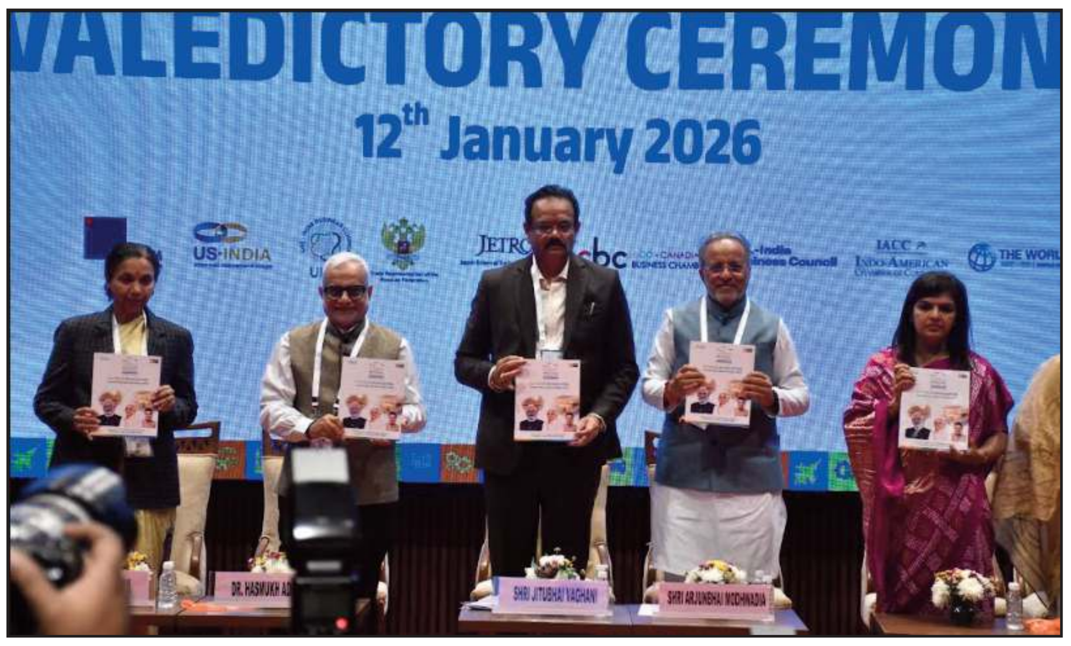

ग्रोथ इंजन के रूप में उभरेंगे।

इस अवसर पर राज्य के पर्यावरण मंत्री श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया ने कहा कि 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्र की क्षमता को दुनिया के समक्ष उजागर करने का एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनी है।

विभिन्न ऐतिहासिक किस्सों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि कच्छ और सौराष्ट्र के लोगों की नस-नस में उद्यमिता भरी है। एक समय था जब सौराष्ट्र के नाविक समंदर पर राज करते थे।

उन्होंने सौराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों की औद्योगिक विशेषताओं का परिचय देते हुए कहा कि राज्य का प्रत्येक क्षेत्र किसी न किसी कौशल से भरा है और इसमें सौराष्ट्र का दबदबा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पोरबंदर, द्वारका और सोमनाथ बेल्ट दुनिया का सबसे बड़ा पर्यटन क्षेत्र बनने जा रहा है। देश और राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य वर्ष 2027 में सेमीकंडक्टर क्षेत्र का हब बन जाएगा।

इस अवसर पर उन्होंने कच्छ और सौराष्ट्र के उद्योगपतियों से न्यू एज टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश करते हुए आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उद्योग विभाग की सचिव सुश्री ममता वर्मा ने स्वागत भाषण में सौराष्ट्रझ्रकच्छ क्षेत्र के लिए वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस को गौरवपूर्ण क्षण करार देते हुए कहा कि पिछले दो दिनों में 'स्केल और स्किल' के समन्वय के साथ उद्यमियों को एक मजबूत प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया है। बीटूबी, बीटूजी, रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट और 50 से अधिक सेमिनारों के आयोजन से युवा पीढ़ी को भी एक नई दिशा मिली है।

इस अवसर पर उद्योग आयुक्त श्री पी. स्वरूप ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की सफल यात्रा की विस्तार से जानकारी दी।

मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के संस्थापक श्री केतन मारवाड़ी ने अपने संबोधन में कहा कि वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस ने साबित कर दिया है कि भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आयोजित कॉन्फ्रेंस में 24 देशों के प्रतिनिधियों और 4000 उद्यमियों की उपस्थिति एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य लोगों के करकमलों से 'कच्छ एंड सौराष्ट्र : एंकरिंग गुजरात्स विजन' पुस्तक का विमोचन किया गया।

इस मौके पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विभिन्न एमएसएमई के उद्योगकारों, हस्तकला कारीगरों और उद्योग विभाग का पुरस्कार के साथ सम्मान किया गया, जबकि मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के संचालकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनका भी सम्मान किया गया।

समापन समारोह में मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार श्री हसमुख अढिया, राजस्व विभाग की अपर मुख्य सचिव सुश्री जयंती रवि, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणाबेन रंगाणी, विधायक सर्वश्री डॉ. दर्शिताबेन शाह, रमेशभाई टीलाळा, एलएंडटी के सीईओ श्री सिद्धार्थ गुप्ता, ज्योति सीएनसी के चेयरमैन श्री पराक्रमसिंह जाडेजा, मारवाड़ी यूनिवर्सिटी के सह-संस्थापक श्री जीतूभाई चंदाराणा, राजकोट चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री वी.पी. वैष्णव, अग्रणी उद्योगकार, व्यापार-उद्योग जगत के प्रतिनिधि और उच्च अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

भाषिनी समुदायः भारत के भाषा एआई इकोसिस्टम को मजबूत करना

(जीएनएस)।

डिजिटल इंडिया भाषा प्रभाग (डीआईबीडी), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) 13 जनवरी 2026 को नालंदा हॉल, डॉ अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में भाषिनी समुदायः भारत के भाषा एआई पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना का आयोजन करेगा।

भाषिनी समुदाय, भाषिनी की अगुवाई वाली एक मिलकर शुरू की गई पहल है। यह पहल भाषा के जानकारों, एकेडमिक संस्थानों, सिविल सोसाइटी संगठनों और डेटा प्रैक्टिशनर्स को एक साथ लाती है ताकि भारत के लिए भाषा अक सॉल्यूशन को मिलकर बनाया जा सके, उन्हें चलाया जा सके और बढ़ाया जा सके। यह पहल नेशनल लैंग्वेज ट्रांसलेशन मिशन (ठछळट) के तहत भाषिनी के काम को और मजबूत करती है ताकि भाषा की रुकावटों को खत्म किया जा सके और सभी भारतीय भाषाओं में डिजिटल सर्विस तक पहुँच पक्की हो सके।

कार्यशाला की शुरूआत मेहमानों के स्वागत भाषण और सम्मान से होगी, जिसके बाद औपचारिक उद्घाटन होगा। टी३ और डिजिटल इंडिया इल्रअरल्रक्ठक डिवीजन की सीनियर लीडरशिप, पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, कम्युनिटी पार्टिसिपेशन और एथिकल डेटा प्रैक्टिस पर आधारित एक कोऑर्डिनेटेड, सॉवरेन और इनक्लूसिव लैंग्वेज अक इकोसिस्टम बनाने के लिए इल्रअरल्रक्ठक के विजन को बताएगी।

डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन के सीईओ श्री अमिताभ नाग एक विशेष चर्चा में भाग लेंगे, जहां वे राष्ट्रीय भाषा अकप्लेटफॉर्म के रूप में भाषिनी की प्रगति और सरकारी सेवाओं, शिक्षा व जन-सुविधाओं में इसकी भूमिका पर बात करेंगे। इस सत्र का संचालन गेट्स फाउंडेशन के श्री अर्जुन वेंकटरामन करेंगे।

इसके बाद कार्यशाला में भाषिनी के विस्तार और इसकी भविष्य की योजनाओं पर चर्चा होगी, जिसमें सीनियर जनरल मैनेजर श्री शैलेंद्र पाल सिंह बताएंगे कि कैसे अलग-अलग संस्थान और राज्य सरकारें इस प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर काम कर सकते हैं।

कार्यशाला में भाषिनी समुदाय प्लेटफॉर्म पर भी जोर दिया जाएगा ताकि भागीदारों से सुझाव लेकर इसे और बेहतर बनाया जा सके। साथ ही, श्री अजय सिंह राजवत के नेतृत्व में 'भाषिनी इन एक्शन' के तहत लाइव डेमो दिखाए जाएंगे और 'भाषादान' पोर्टल के बारे में जानकारी दी जाएगी, जहां आम नागरिक अपनी भाषा का योगदान दे सकते हैं।

दोपहर के भोजन के बाद डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए नए भागीदारों को जोड़ने की प्रक्रिया पर चर्चा होगी, ताकि सही और सुरक्षित तरीके से डेटा तैयार किया जा सके।

अंत में, भविष्य के साझा लक्ष्यों और आपसी सहयोग के संकल्प के साथ इस कार्यशाला का समापन होगा।

मुख्य स्पीकर और योगदान देने वालों में शामिल हैं:

श्री अमिताभ नाग, उएड, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

श्री तरुण पांडे, साइंटिस्ट ए, टी३

प्रो. गिरीश नाथ झा, स्कूल ऑफ संस्कृत एंड इंडिक स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी

सुश्री सुखना साहनी, हेड झ्र अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन, रॉकेट लर्निंग

श्री शैलेंद्र पाल सिंह, सीनियर जनरल मैनेजर, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

श्री मनु चोपड़ा, उएड और को-फाउंडर, कार्य

श्री अजय सिंह राजावत, सीनियर मैनेजर, डिजिटल इंडिया भाषिनी डिवीजन

सुश्री नुपुरा गावड़े, डिजाइन एंड एंगेजमेंट लीड, सिविकडेटालैब

भाषिनी समुदाय वर्कशॉप, भाषा

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक, समन्वित दृष्टिकोण पर बल

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली की वायु प्रदूषण कार्य योजना की समीक्षा की; एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दीर्घकालिक, समन्वित दृष्टिकोण पर बल दिया

श्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वाहनों, उद्योगों एवं धूल प्रदूषण पर सख्त उपायों पर चर्चा हुई; स्वच्छ हवा के लिए जनभागीदारी महत्वपूर्ण

सीपीसीबी ने उत्सर्जन निगरानी प्रणाली स्थापित नहीं करने पर 88 औद्योगिक इकाइयों को नोटिस जारी किया; 23.01.2026 से बंद करने की कार्रवाई होगी शुरू

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने आज एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए एनसीआर शहरों में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार की कार्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। यह बैठक नियमित वार्षिक समीक्षा तंत्र का हिस्सा थी जिसका उद्देश्य प्रगति का आकलन करना एवं चिन्हित उपायों के कार्यान्वयन को सुदृढ़ बनाना है। बैठक में उपस्थित गणमान्य लोगों में दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री (ईएफसीसी) श्री कीर्ति वर्धन सिंह और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार

मनजिंदर सिंह सिरसा के अलावा, ईएफसीसी मंत्रालय एवं दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

बैठक की शुरूआत में श्री यादव ने राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दिल्ली सरकार एवं संबंधित एजेंसियों के अधिकारियों के निरंतर प्रयासों की सराहना की। उन्होंने याद दिलाया कि 2021 में, केंद्र सरकार ने एक समर्पित कानून बनाया और एक दूरदर्शी कदम के रूप में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) का गठन किया। दिल्ली एनसीआर के वायुमंडलीय क्षेत्र की पहचान की गई ताकि पूरे क्षेत्र में प्रदूषण स्रोतों का निर्धारण सटीक तरीके से किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि एनसीआर में वायु प्रदूषण मानवजनित गतिविधियों एवं मौसम संबंधी कारकों दोनों से प्रभावित होता है और इस बात पर बल दिया कि तात्कालिक उपायों के बजाय दीर्घकालिक नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

वाहन प्रदूषण पर, केंद्रीय मंत्री ने स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से 62 पहचाने गए जाम स्थानों पर, ताकि ट्रैफिक का प्रवाह सुचारु रूप से हो सके। उन्होंने प्रदूषण उत्पन्न करने वाले वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर बल दिया, जिसमें विशेष पंजीकरण अभियान, सीमा प्रवेश बिंदुओं पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान (एएनपीआर) प्रणाली की स्थापना, और पीक-घंटों के दौरान जाम को कम करने के लिए ऑफिस समय में बदलाव की संभावना की तलाश शामिल है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना, चार्जिंग अवसंरचना का तेजी से विस्तार करना, भीड़भाड़ शुल्क, स्मार्ट पार्किंग प्रबंधन एवं एनसीआर के लिए एक समान वाहन पंजीकरण नीति जैसे उपायों पर चर्चा की गई। श्री यादव ने इस बात पर बल दिया कि इन उपायों की सफलता के लिए व्यवहार में बदलाव एवं जनभागीदारी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

औद्योगिक प्रदूषण की समीक्षा करने के दौरान यह पता चला कि एनसीआर में स्थित 240 औद्योगिक संपदाओं में से 227 पहले ही निर्धारित औद्योगिक संपदा क्षेत्र (पीएनजी) में स्थानांतरित हो चुकी हैं। हालांकि, निर्धारित संपदाओं के बाहर उद्योगों का अनियोजित विकास और उसके बाद नियमितीकरण चिंता का विषय बना हुआ है। श्री यादव ने निर्देश दिया कि अवैध रूप से संचालित और नियमों की अनदेखी करने वाली इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिसमें आवश्यकता पड़ने पर उन्हें सील करना भी शामिल है। यह जानकारी दी गई कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने

औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग

विशेषज्ञों ने भारत की औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग की

विशेषज्ञों ने भारत की औषधीय पौधों की आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करने के लिए एआई-सक्षम फार्म-गेट गुणवत्ता और ट्रेसिएबिलिटी की मांग की

आईआईटी दिल्ली ने औषधीय पौधों के फार्म-गेट गुणवत्ता मूल्यांकन को बढ़ावा देने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

संगोष्ठी में आयुष कच्चे माल की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता के लिए डिजिटल रोडमैप तैयार किया गया

(जीएनएस)।

'स्थानों, जिनमें राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) भी शामिल है, के विशेषज्ञों ने "फार्म गेट पर औषधीय पौधों की गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए उपकरणों का डिजाइन और विकास" विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और संबंधित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके औषधीय पौधों की गुणवत्ता और उनके उत्पादन से लेकर संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तक की निगरानी, सत्यापन और प्रलेखन की अपील की है। यह संगोष्ठी 8-9 जनवरी 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली में आयोजित की गई थी और इसमें भारत के औषधीय पादप क्षेत्र पर राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित किया गया था। इसमें कच्चे माल की गुणवत्ता सुनिश्चित करना, पता लगाना और मूल स्थान पर ही मानकीकरण करना शामिल था।

यह संगोष्ठी नीति निमार्ताओं, वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, उद्योगपतियों और शोधकताओं को भारत के आयुष और औषधीय पादप इकोसिस्टम के सतत विकास और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता की नींव के रूप में कृषि-स्तर की गुणवत्ता प्रणालियों को सुदृढ़ करने पर विचार-विमर्श करने के लिए आयोजित की गई थी।

संगोष्ठी का उद्घाटन एनएमबीपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर डॉ. महेश कुमार दाधिच और आयुर्वेद शिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (आईटीआरए) की निदेशक प्रोफेसर डॉ. तनुजा नेसारी के मुख्य भाषणों से हुआ। उनके व्याखयानों ने गुणवत्ता-आधारित विकास के लिए राष्ट्रीय नीति और वैज्ञानिक संदर्भ स्थापित किया, जिसमें भारतीय औषधीय पौधों के कच्चे माल में वैश्विक विश्वास पैदा करने के लिए नवाचार, विनियमन

और पारंपरिक ज्ञान को एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल दिया गया।

प्रथम दिन के तकनीकी सत्रों में औषधीय पौधों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का गहन अध्ययन किया गया—जिसमें सतत खेती और पुनरुत्पादक कृषि से लेकर एआई-आधारित गुणवत्ता मूल्यांकन, डिजिटल ट्रेसिएबिलिटी और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण शामिल थे। आईसीएआर-औषधीय और सुगंधित पादप अनुसंधान निदेशालय (डीएमएपीआर), आईआईटी दिल्ली, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), आयुष मंत्रालय, आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान केंद्रीय परिषद (सीसीआरएएस), हिमालय वेलनेस और हर्बलस्केप क्रॉप्स के विशेषज्ञों ने साक्ष्य-आधारित अंतर्दृष्टि और प्रक्षेत्र अनुभव साझा किए।

चचाओं में रेखांकित किया गया कि भारत तकनीकी और संस्थागत रूप से एआई-आधारित निदान, डिजिटल फेनोटाइपिंग और एकीकृत गुणवत्ता ढांचे को अपनाने के लिए तैयार है, जिससे घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय औषधीय पौधों के कच्चे माल की विश्वसनीयता को बल मिलता है।

दूसरा दिन भारतीय औषधीय पादप उद्योग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण और

आपूर्ति श्रृंखला में पारदर्शिता और ट्रेसिएबिलिटी के लिए ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के उपयोग पर दो संरचित विशेषज्ञ विचार-मंथन सत्रों के माध्यम से रोडमैप निर्माण के लिए समर्पित था।

इन सत्रों के परिणामस्वरूप इस बात पर एक मजबूत सहमति बनी कि फार्म गेट पर डिजिटल उपकरण - जैसे कि पोर्टेबल गुणवत्ता-परीक्षण उपकरण, एआई-सक्षम निर्णय-समर्थन प्रणाली और ब्लॉकचेन-आधारित ट्रेसिएबिलिटी प्लेटफॉर्म - अब वैकल्पिक नहीं बल्कि भारतीय हर्बल कच्चे माल की प्रामाणिकता, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं।

इस संगोष्ठी से एनएमपीईबी और आयुष मंत्रालय के उद्देश्यों के अनुरूप स्पष्ट और व्यावहारिक परिणाम प्राप्त हुए। इसने नीतिगत संस्थानों, वैज्ञानिक निकायों, उद्योग जगत के हितधारकों और वैश्विक स्वास्थ्य संगठनों के बीच राष्ट्रीय स्तर पर एक अभूतपूर्व समन्वय स्थापित किया, जिससे खंडित उपायों के बजाय एकीकृत समाधानों को बढ़ावा मिला।

सभी प्रतिभागियों ने सर्वसम्मति से रेखांकित किया कि गुणवत्ता का निर्माण उत्पादन स्थल पर ही होना चाहिए, जो प्राथमिक उत्पादकों और संग्राहकों को सशक्त बनाने के एनएमबीपी के जनादेश का प्रत्यक्ष समर्थन करता है। विचार-विमर्श में मिलावट, भिन्नता और किसानों के नुकसान को कम करने के लिए एआई और डिजिटल उपकरणों के व्यावहारिक उपयोग को मान्यता दी गई, साथ ही निर्यात और औषध विज्ञान के अनुपालन के लिए ब्लॉकचेन-आधारित संपूर्ण ट्रेसिएबिलिटी की महत्वपूर्ण भूमिका को भी स्थापित किया गया।

संगोष्ठी में वृक्ष आयुर्वेद जैसी पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक गुणवत्ता नियंत्रण ढांचों के साथ एकीकृत करने पर भी प्रकाश डाला गया, जिससे यह प्रदर्शित हुआ कि भारत की विरासत को वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित और डिजिटाइज करके वैश्विक स्वीकृति को कैसे सुदृढ़ किया जा सकता है। क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया, जिसमें प्रतिभागियों को उन्नत उपकरणों, मानकों और विकसित हो रही नीतिगत दिशाओं से अवगत कराया गया।

इस संगोष्ठी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता से युक्त, ट्रेसिएबिलिटी और मानकीकृत औषधीय पौध आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए एक राष्ट्रीय ढांचा विकसित करने की ठोस नींव रखी। इसके परिणाम आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया की राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का प्रत्यक्ष रूप से समर्थन करते हैं, साथ ही वैश्विक आयुष क्षेत्र में भारत के नेतृत्व को भी सुदृढ़ करते हैं।

विचार-विमर्श में एनएमपीएफ समर्थित पहलों के अंतर्गत पायलट परियोजनाओं, प्रौद्योगिकी तैनाती और किसान स्तर पर क्षमता निर्माण के लिए निरंतर और विस्तारित सहायता की आवश्यकता पर जोर दिया गया, जिसमें भारत की औषधीय पौध अर्थव्यवस्था के आधारशिला के रूप में खेत-स्तर की गुणवत्ता को स्थापित किया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

नशा कारोबारियों की जब्त होगी संपत्ति और जाएंगे जेलः मुख्यमंत्री योगी

नशा कारोबारियों की जब्त होगी संपत्ति और जाएंगे जेलः मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए और लोगों को भी जागरूक करना चाहिए। उन्होंने नशे का कारोबार करने वालों को आगाह करते हुए अगर बाज नहीं आए तो न केवल उन्हें जेल भेजा जाएगा बल्कि उनकी संपत्ति भी जब्त होगी, क्योंकि ऐसे लोग देश और समाज को खोखला कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को स्वामी विवेकानंद जयंती के अवसर प्रदेश के युवा एवं खेलकूद विभाग की ओर से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित युवा महोत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर विभिन्न जिलों के युवा व महिला मंगल दलों को नशा उन्मूलन, पर्यावरण संरक्षण, जल प्रबंधन, जनता लाइब्रेरी, खेल सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र व राशि प्रदान की।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग व्यापारियों के विरुद्ध अनुचित कार्रवाई कर बना रहें भय का माहौल ये खबर भी पढ़े : खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग व्यापारियों के विरुद्ध अनुचित कार्रवाई कर बना रहें भय का माहौल

इससे पहले युवा एवं खेलकूद मंत्री गिरीश यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का स्वागत किया और विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, विधायक डॉ नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव व लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। समारोह में मुख्यमंत्री ने 40 करोड़ रुपये अधिक की परियोजनाओं का लोकार्पण व शुभारंभ किया गया।

मकर संक्रांति 15 जनवरी 2026 विश्लेषण, 16 बड़ी बातें पर्व मनाने से पहले जरूर जानें

(जीएनएस)।

लखनऊ। सूर्य संक्रांति में मकर सक्रांति का महत्व ही अधिक माना गया है। इस बार मकर संक्रांति 14 जनवरी की रात्रि में 09:39 से अर्की है अतः संक्रांति पुण्यकाल 15 जनवरी गुरुवार को प्रातः काल से रहेगा इस बार मकर संक्रांति का वाहन-वराह, उपवाहन-वृषभ, वस्त्र-हरा, लेपन-चन्दन रहेगा माघ माह में मकर सक्रांति देश के लगभग सभी राज्यों में अलग-अलग सांस्कृतिक रूपों में मनाई जाती है। इस बार 15 जनवरी 2026 को मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा। डॉ० अनिल दुबे वैदिक मकर संक्रांति पर्व पर प्रकाश डालते हुए बताते हैं पर्व से जुड़ी हुई 16 प्रमुख बातें वर्ष में होती है 12 संक्रांतियांः पृथ्वी साढ़े 23 डिग्री अक्ष पर झुकी हुई सूर्य की परिक्रमा करती है तब वर्ष में 4 स्थितियां ऐसी होती हैं, जब सूर्य की सीधी किरणें 21 मार्च और 23 सितंबर को विषुवत रेखा, 21 जून को कर्क रेखा और 22 दिसंबर को मकर रेखा पर पड़ती है। वास्तव में चन्द्रमा के पथ को 27 नक्षत्रों में बांटा गया है जबकि सूर्य के पथ को 12 राशियों में बांटा गया है। भारतीय ज्योतिष में इन 4 स्थितियों को 12 संक्रांतियों में बांटा गया है जिसमें से 4 संक्रांतियां महत्वपूर्ण होती हैं- मेष, तुला, कर्क और मकर संक्रांति। 1- मकर संक्रांति का अर्थ मकर संक्रांति में 'मकर' शब्द मकर राशि को इंगित करता है जबकि 'संक्रांति' का अर्थ संक्रमण अर्थात प्रवेश करना है। मकर संक्रांति के दिन सूर्य धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। एक राशि को छोड़कर दूसरे में प्रवेश करने की इस विस्थापन क्रिया को संक्रांति कहते हैं। चूंकि सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है इसलिए इस समय को 'मकर

भगत सिंह सेना का प्रदेश स्तरीय कार्यालय उद्घाटित, भ्रष्टाचार के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की तैयारी

(जीएनएस)।

पीलीभीत। निकट महिला थाना के पास,भगत सिंह सेना का प्रदेश स्तरीय कार्यालय का उद्घाटन बड़े उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर जिला व प्रदेश स्तर के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। उद्घाटन के साथ ही सभी ने अमर शहीद भगत सिंह जी के विचारों का अनुसरण करते हुए एक साथ शपथ ली।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरी बाबू पासवान ने बताया कि भगत सिंह सेना सभी भेदभाव मिटाकर जाति-धर्म से परे मानव सेवा व कल्याण का कार्य करेगी। शहीद भगत सिंह के आदर्शों पर चलते हुए संगठन भारत को भ्रष्टाचार, जातिवाद व भेदभाव जैसी कुरीतियों से मुक्त कराने का संकल्प ले चुका है। उन्होंने कहा कि देश में भ्रष्टाचार कैंसर की तरह पनप रहा है, जो भारत को खोखला कर रहा है। अमर शहीद भगत सिंह का सपना आज बहुत आगे निकल चुका है, लेकिन लोग उनकी कुबार्नी भूलते जा रहे हैं। भगत सिंह सेना इस मिशन को कभी समाप्त नहीं होने देगी।

पासवान ने जानकारी दी कि संगठन अब 14 राज्यों में सक्रिय हो चुका है और भ्रष्टाचार के खिलाफ बहुत जल्द देशव्यापी आंदोलन छेड़ने की तैयारी में है। कार्यालय का उद्घाटन भगत सिंह जी की प्रतिमा के समक्ष एम एल विद्यार्थी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष व पदाधिकारीगण सहित वेद प्रकाश गंगवार, मिथिलेश शर्मा, आदर्श कुमार, सरस्वती मोर्य, चंद्रसेन सरोज, जुबेर खान, शिवकुमार प्रजापति, आसिफ, अलका देवी, रामेश्वर दयाल गौतम, विवेक शर्मा, हरजिंदर सिंह, गुरदीप सिंह, अनिल कुमार वर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर बीसलपुर डायट में धूमधाम से मनाई स्वामी विवेकानंद जयंती

(जीएनएस)।

पीलीभीत।/बीसलपुर

दिनांक 12 जनवरी 2026 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बीसलपुर, पीलीभीत में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी की जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस पावन अवसर पर संस्थान परिसर में युवाओं को प्रेरित करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्वामी विवेकानंद जी के विचारों को जीवंत करने वाली ये प्रतियोगिताएं युवा पीढ़ी में ऊर्जा, शक्ति और राष्ट्रीय चेतना का संचार करने वाली साबित हुईं।प्रश्नोत्तरी और भाषण प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शनसंस्थान द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से दो प्रतियोगिताओं पर जोर दिया गया। पहली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन, दर्शन और राष्ट्रीय युवा दिवस से जुड़े प्रश्नों पर आधारित रहा, जिसमें प्रशिक्षुओं ने अपनी बुद्धिमत्ता का लोहा मनवाया। इस प्रतियोगिता में सिमरन, सरल, गायत्री, शिवम, नैंसी, हिना और नूतन ने प्रथम स्थान हासिल कर सभी को प्रभावित किया। इन विजेताओं को सम्मानित करते हुए संस्थान ने युवाओं को निरंतर ज्ञान अर्जन की प्रेरणा दी।दूसरी ओर, भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने स्वामी विवेकानंद जी के 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो' जैसे प्रेरक उद्घोषों पर प्रकाश डाला। इसकी श्रेणीवार विजेता इस प्रकार रहींः कल्पना सदन से सामिया ने प्रथम स्थान प्राप्त कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया, सौभाग्य प्रकाश ने द्वितीय स्थान हासिल किया, जबकि विवेकानंद सदन से शिवपाल ने तृतीय स्थान प्राप्त कर सराहना बटोरी। प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवाओं ने न केवल अपनी अभिव्यक्ति क्षमता दिखाई, बल्कि राष्ट्रीय एकता और स्वदेशी भावना को भी मजबूत किया।प्राचार्य का प्रेरक संदेश और शुभकामनाएंकार्यक्रम के समापन पर संस्थान के प्राचार्य श्री दरवेश कुमार सिंह ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस हमें जीवन को सार्थक दिशा प्रदान करने का अवसर देता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए युवाओं को देश सेवा, आत्म-अनुशासन और कठोर परिश्रम की सीख दी। प्राचार्य जी ने सभी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि युवा शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का आधार है।इस अवसर पर संस्थान के प्रवक्ता श्री वीरेंद्र कुमार, स्वदेश कुमार, अमित कुमार, अमित कुमार शर्मा, पुलकित शर्मा, विजय कुमार, नीलेश नाथ, मेघा अग्रवाल, स्मिता राजपूत, मंजूलता, सुनीता विष्ट सहित सभी प्रशिक्षु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जो युवाओं में देशभक्ति की लौ प्रज्वलित करने वाला रहा।

नोजल नकटा में नदी तटबंध निर्माण की मांग पर ग्रामीणों का धरना समाप्त,प्रशासन ने दिया उच्च स्तर पर हस्तक्षेप का आश्वासन

(जीएनएस)।

पीलीभीत। पूरनपुर, नोजल नकटा क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित ग्रामीणों द्वारा नदी तटबंध निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर आयोजित धरने को जिला प्रशासन ने उच्च स्तर पर पत्र प्रेषित करने और शीघ्र समाधान का आश्वासन देकर समाप्त करा दिया। ग्रामीणों ने वर्षों से नदी के उफान से तबाह हो रही फसलों और आवासों की समस्या बयां करते हुए प्रशासन से तत्काल राहत की गुहार लगाई थी, जिस पर अब कार्रवाई का भरोसा जगा है।

नोजल नकटा गांव के सैकड़ों ग्रामीण पिछले कई दिनों से जिला मुख्यालय पर धरना दे रहे थे। उनका मुख्य मुद्दा गंगा या स्थानीय नदी के किनारे कमजोर तटबंध को मजबूत करने का था, जो हर मानसून में टूट जाता है। इससे न केवल खेतीबाड़ी प्रभावित होती है, बल्कि जान-माल को भी खतरा पैदा हो जाता है। धरना स्थल पर ग्रामीणों ने बैनर-पोस्टर लगाकर अपनी पीड़ा व्यक्त की और प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता की मांग की। पूरनपुर स्थानीय विधायक व जिला पंचायत सदस्य भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने ग्रामीणों की बात सुनी।

जिला मजिस्ट्रेट की अगुवाई में बनी टीम ने धरना स्थल का दौरा किया और ग्रामीण प्रतिनिधियों से विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि नोजल नकटा में तटबंध निर्माण के लिए मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित किया जाएगा तथा संबंधित विभागों को निर्देश देकर शीघ्र सर्वे कराया जाएगा। इसके अलावा, आपातकालीन राहत के रूप में प्रभावित क्षेत्रों में अस्थायी बैरेज बनाने की योजना पर भी विचार किया जा रहा है। इस आश्वासन पर ग्रामीणों ने धरना समाप्त करने का फैसला किया।

ग्रामीण नेता रामस्वरूप ने बताया, "हमारी मांग अब गंभीरता से सुनी गई है। उच्च स्तर पर पत्र भेजे जाने से हमें विश्वास है कि तटबंध निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।" वहीं, एसडीएम ने कहा कि प्रशासन ग्रामीणों की हर समस्या का समाधान करने के लिए कटिबद्ध है और बाढ़ प्रबंधन को प्राथमिकता दी जाएगी। इस घटना से पीलीभीत जिले के अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में भी सकारात्मक संदेश गया है।

शिकायतों के बावजूद भी नहीं सही कराया जा रहा खेल मैदान

(जीएनएस)।(जीएनएस)।

अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादों की पोल खोलता ये खेल मैदान शिकायतों के बावजूद भी नहीं सही कराया जा रहा खेल मैदान

आदर्श नगर पंचायत जैदपुर के वार्ड वसी नगर में नूर मोहम्मद इण्टर कॉलेज के पीछे खेल मैदान अपनी बदहाली पर आसूं बहा रहा है खिलाड़ी अक्सर खेल मैदान ग्राउंड को सही करते है क्योंकि रखरखाव की कमी अधिकारियों की अनदेखी सुविधाओं के अभाव के कारण मैदान खराब हो जाते है जिससे उन्हें खेल में दिक्कत होती है ऐसे में खिलाड़ी खुद सफाई समतल करने और छोटी मोटी मरम्मत का काम करते है ताकि वो खेल सके और खेल के माहौल को बेहतर बना सके जो सिस्टम से उनकी लड़ाई और खेल के प्रति जुनून को दिखाता है अधिकारियों की अनदेखी और अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादे की पोल खोलता ये खेल मैदान खिलाड़ियों का कहना है कि कुछ दिन पूर्व इसी मैदान में क्रिकेट उद्घाटन के लिए अध्यक्ष प्रतिनिधि को बुलाया गया था तो उन्होंने वादा किया था कि इस खेल मैदान में जो भी गड्ढे है उनको पटवा कर मैदान को सही कराऊंगा फिर भी आज तक सही नहीं कराया गया खिलाड़ी अब अध्यक्ष प्रतिनिधि के वादों को लेकर तरह तरह की बातें सोच रहे है अब्दुल वहीद. अजहरुददीन. सैफुल्लाह आसिफ. जमाल रसूल. अनस. शुऐब . आमिर. मोनू. महफूज. शादाब. करन. सिराजुददीन आदि खिलाड़ियों का कहना है कि आदर्श नगर पंचायत जैदपुर के अधिशाषी अधिकारी व अध्यक्ष प्रतिनिधि इसको अपने संज्ञान में ले और मैदान को जल्द से जल्द सही कराया जाए

पीलीभीत में डीआईजी/एसपी निर्देश पर iRAD/eDAR व ZFD योजनाओं पर पुलिस CC टीमों को विस्तृत प्रशिक्षण

पीलीभीत में DIG/SP निर्देश पर iRAD/eDAR व ZFD योजनाओं पर पुलिस CC टीमों को विस्तृत प्रशिक्षण

(जीएनएस)।

पीलीभीत,DIG/SP निर्देशों पर पुलिस लाइन पीलीभीत में आयोजित एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में फ्ळअऊ (इंटीग्रेटेड रोड एक्सीडेंट डेटाबेस) एवं ेऊअफ (इलेक्ट्रॉनिक डिस्ट्रिक्ट एक्सीडेंट रिपोर्ट) योजनाओं के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करने तथा ZFD (जीरो फैटेलिटी डिस्ट्रिक्ट) योजना के अंतर्गत चिन्हित थानों की CC (क्रैश कॉल) टीमों को सड़क हादसों की रोकथाम व त्वरित कार्यवाही हेतु विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण का उद्देश्य व प्रक्रिया

पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिले के 12 चिन्हित थानों- नई बस्ती, कोतवाली, घुघरी, पुरनपुर, भदईया, मधौली, सिसौना, खुज्जा, अमरिया, धौरर्रा, बिलसंडा एवं सदर की उउ टीमों के 60 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। विशेषज्ञ ट्रेनरों ने iRAD/eDAR ऐप के उपयोग पर हाथोंहाथ ट्रेनिंग दी, जिसमें दुर्घटना स्थल पर फोटो-वीडियो अपलोड, पीड़ितों का डेटा दर्ज करना एवं 108 एम्बुलेंस को अलर्ट करने की पूरी प्रक्रिया शामिल रही। कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम के तहत घायलों को अस्पताल पहुंचाने पर प्राथमिकता देते हुए बिना देरी इलाज सुनिश्चित करने पर बल दिया गया।

ZFD योजना पर फोकस करते हुए CC टीमों को सड़क सुरक्षा के नए आयाम सिखाए गए। इसमें ब्लैक स्पॉट्स (जैसे पीलीभीत-पुरनपुर मार्ग पर खतरनाक मोड़) की मैपिंग, स्पीड गन से वाहन जांच, हेलमेट/सीटबेल्ट अनुपालन अभियान एवं ड्रिंकिंग एंड ड्राइविंग रोकथाम शामिल रही। ट्रेनरों ने बताया कि ZFD लक्ष्य के तहत जिले में शून्य मृत्यु दर हासिल करने हेतु उउ टीमें 24 घंटे हेल्पलाइन (112) पर सतर्क रहेंगी एवं 10-15 मिनट में घटनास्थल पहुंचकर प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करेंगी।

DIG/SP का संदेश व उपलब्धियां

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि DIG/SP पीलीभीत ने प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए कहा, "पीलीभीत में सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय हैं। iRAD/eDAR से डेटा संग्रहण व कैशलेस ट्रीटमेंट से हम लाखों रुपये की बचत के साथ जानें बचा सकेंगे। ऋऋके तहत उउ टीमें जिले को दुर्घटना मुक्त बनाने का माध्यम बनेंगी। सभी थानेदार इन टीमों की रिपोर्टिंग सुनिश्चित करें।" उन्होंने पिछले वर्ष ZFD अभियान से 25 प्रतिशत दुर्घटनाओं में कमी का उल्लेख किया।

प्रशिक्षण के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि अगले माह प्रत्येक थाने में फॉलो-अप ट्रेनिंग होगी। यह पहल #मिशनशक्ति व सड़क सुरक्षा सप्ताह से जुड़कर जन जागरूकता बढ़ाएगी।

जिला प्रशासन की यह कोशिश पीलीभीत को सुरक्षित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

पीलीभीत:दियोरा से आमडार मधैईया मार्ग पर PWD सड़क का हाल

(जीएनएस)।

पीलीभीत,दियोरा से आमडार मधैईया मार्ग पर हाल ही में बनी ढहऊ सड़क घटिया सामग्री से तैयार होने के कारण चंद दिनों में ही उखड़ने लगी है। ग्रामीणों ने इसे "पापड़ की तरह टूट रही सड़क" बताते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ठेकेदार पर सरकारी धन का दुरुपयोग और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सड़क अब पूरी तरह गड्ढों में बदल चुकी है, जिससे रोजाना आने-जाने वाले राहगीर दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं। उन्होंने शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। जितिन प्रसाद जैसे मंत्री सड़क निर्माण के निर्देश दे रहे हैं, वहीं विभागीय अधिकारी कथित तौर पर घोटाले में लिप्त हैं।

ग्रामीणों की मांगें और चिंताएं

- तत्काल मरम्मतः सड़क को मजबूत सामग्री से दोबारा बनवाना।
- जांचः ठेकेदार और अधिकारियों पर भ्रष्टाचार की गहन जांच।
- सुरक्षाः दुर्घटनाओं को रोकने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था।

ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन भी किया और प्रशासन से गहन जांच की मांग की है। क्या यह मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा?

पहली कोशिश में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण किया। पास करने वाली साक्षी मिश्राः पिता सर्वेश की भावुक शुभकामनाएं

(जीएनएस)।(जीएनएस)।

पीलीभीत, उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले की तहसील बीसलपुर के ग्राम हाफिज नगर बन्नाई निवासी सर्वेश मिश्रा की पुत्री साक्षी मिश्रा ने अपनी पहली ही कोशिश में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण कर लिया है। यह उपलब्धि न केवल साक्षी की कड़ी मेहनत का प्रमाण है, बल्कि उनके संस्कारों, विश्वास और भोलेनाथ की असीम कृपा का भी प्रतीक है।सर्वेश मिश्रा, जो वर्तमान में गाजियाबाद के साहिबाबाद में रहते हैं, ने अपनी पुत्री की इस सफलता पर गहरा भावुक संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, "मेरी बेटी ने अपने पहले ही प्रयास में ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन उत्तीर्ण किया। यह सफलता भोलेनाथ की असीम कृपा से संभव हुई। मेरी बेटी की मेहनत, संस्कार और विश्वास रंग लाए। एक पिता के रूप में मेरी दुआएँ, आशीर्वाद और प्यार हमेशा उसके साथ रहेंगे। महादेव उसे हमेशा सही राह दिखाएँ और हर कदम पर सफलता दें।"यह सफलता स्थानीय समुदाय के लिए

प्रेरणादायक है, खासकर ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाली बेटी के लिए। साक्षी की यह उपलब्धि दिखाती है कि दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक विश्वास से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। पिता सर्वेश मिश्रा की भावनाएं हर उस माता-पिता की अभिव्यक्ति हैं जो अपनी संतान की सफलता में ईश्वर की कृपा और अपनी मेहनत को जोड़ते हैं।समाज में साक्षी जैसे युवाओं की सफलताएं नई पीढ़ी को प्रोत्साहित करती हैं। हम साक्षी मिश्रा को हार्दिक बधाई देते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। महादेव की कृपा से उनकी राह हमेशा सफलताओं से भरी रहे।

अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं, भूमाफिया व दबंगों के खिलाफ जारी रहेगी कठोर कार्रवाई: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने सोमवार को किया 'जनता दर्शन', प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए प्रार्थीगणों की समस्याएं सुनीं

(जीएनएस)।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए प्रत्येक प्रार्थी से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। आमजनों के प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कार्रवाई का निर्देश दिया और कहा कि अवैध कब्जा कतई बर्दाश्त नहीं है। भूमाफिया और दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी है और नियमित रूप से होती रहेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ ही लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार आपकी समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। कानून व राजस्व के प्रकरण में शीघ्रता से निस्तारण का

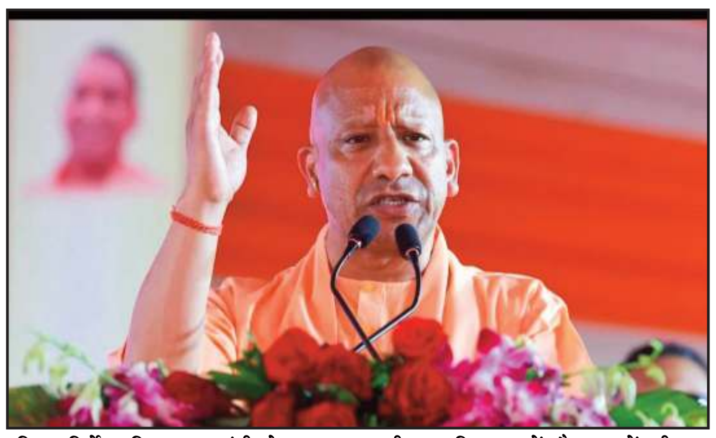

दिया निर्देश दिए मुख्यमंत्री के समक्ष कुछ वादी जमीन कब्जा व मारपीट आदि की शिकायत लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर एक व्यक्ति के पास पहुंचकर उसकी शिकायत सुनी, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनपद स्तर पर कानून व राजस्व के प्रकरण में तेजी से सुनवाई करते हुए इसका निस्तारण किया जाए। कानून व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता में है। इसमें हीला-हवाली कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रशासन और जनपद, मंडल, रेंज व जोन के पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि दबंगों व भूमाफिया के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई नियमित रूप से जारी रखें। इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता दे रही सरकार और

गंभीर बीमारी से जूझ रहे कुछ पीड़ितों ने 'जनता दर्शन' में पहुंचकर इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। सीएम ने कहा कि सरकार इलाज के लिए आर्थिक सहायता दे रही है। आप भी हॉस्पिटल से जल्द एस्टिमेट बनवाकर दें, एस्टिमेट मिलते ही आपके इलाज में सरकार तुरंत आर्थिक मदद करेगी। धन के अभाव में इलाज नहीं रुकेगा। 'जनता दर्शन' में कई बच्चे भी अपने अभिभावकों के साथ पहुंचे। नन्हे-मुन्ने बच्चों के सामने सीएम योगी का बालप्रेम फिर उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने बच्चों का हाल जाना, उन्हें दुलारा-पुचकारा और चॉकलेट दी। सीएम ने अभिभावकों से कहा कि ठंड में बच्चों का विशेष ध्यान रखें। यह अपनत्वपूर्ण भाव सुनकर अभिभावकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

माघ मेला-2026 : पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा मेला क्षेत्र के प्रमुख ड्यूटी प्वाइंट्स पर तैनात पुलिस बल की ब्रीफिंग

(जीएनएस)।

आज दिनांक 12.01.2026 को रिजर्व पुलिस लाइन्स, माघ मेला स्थित तीर्थराज सभागार में आगामी प्रमुख स्नान पर्व मकर संक्रान्ति एवं मौनी अमावस्या के दृष्टिगत माघ मेला क्षेत्र के चारों जोन - उत्तरी झूंसी, दक्षिणी झूंसी, परेड एवं संगम के अंतर्गत तैनात अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी तथा प्रमुख ड्यूटी प्वाइंट्स पर तैनात दोनों शिफ्टों के पुलिस कार्मिकों का ब्रीफिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

ब्रीफिंग का शुभारंभ श्री नीरज कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा किया गया, जिनके द्वारा मेला क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, यातायात संचालन, आपातकालीन योजनाओं तथा ड्यूटी प्वाइंट्स की संवेदनशीलता के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए।

डॉ. अजय पाल शर्मा, अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा घाटों एवं प्रमुख मार्गों पर भीड़ के सुचारु प्रवाह, निकासी व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने, अतिक्रमण पर सतर्क निगरानी, संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी दृष्टि रखने तथा किसी भी असुविधा या जोखिम की स्थिति में तत्काल उच्चाधिकारियों एवं कंट्रोल रूम को सूचित करने के निर्देश दिए

गए। साथ ही ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं के साथ विनम्र, सहयोगात्मक एवं सेवा-भावपूर्ण व्यवहार करने पर विशेष बल दिया गया।

इस अवसर पर नवागत अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, कमिश्नरेट प्रयागराज श्री विजय ढुल द्वारा अपने कुम्भ मेला के अनुभव साझा करते हुए निर्देशित किया गया कि सभी पुलिसकर्मी श्रद्धालुओं द्वारा पूछे जाने पर उन्हें सही, स्पष्ट एवं व्यवहारिक जानकारी दें तथा इसके लिए मेला क्षेत्र के साथ-साथ प्रयागराज के प्रमुख रेलवे स्टेशनों, बस स्टैण्डों, मार्गों एवं चौराहों की पूर्व जानकारी अवश्य रखें।

श्री जोगेन्द्र कुमार, पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा निर्देशित किया गया कि प्रत्येक पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी, ड्यूटी प्वाइंट, आसपास के क्षेत्रों तथा प्रवेश-निकास मार्गों की पूर्ण जानकारी रखे, अपनी ड्यूटी को हस्तलिखित रूप में अपने पास सुरक्षित रखे तथा आपातकालीन योजनाओं के अंतर्गत अपनी भूमिका से पूर्णतः अवगत रहे। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि सभी ड्यूटी प्वाइंट्स पर वायरलेस संचार अनिवार्य रूप से सक्रिय रखा जाए तथा मोबाइल फोन के स्थान पर हैंडसेट के माध्यम से ही संपर्क स्थापित किया जाए। सभी अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारीगण को अपने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ बैठक कर, प्रत्येक कर्मी से व्यक्तिगत रूप से वार्ता कर उनके ड्यूटी प्वाइंट्स के संबंध में ब्रीफ करने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस आयुक्त द्वारा मेला क्षेत्र के सभी समस्त जोनों में तैनात अपर पुलिस अधीक्षकगण, अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) तथा आईसीसीसी के कार्यों के प्रभावी पर्यवेक्षण एवं समन्वय हेतु कमिश्नरेट प्रयागराज के अपर पुलिस आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्तों को नामित करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं।

ब्रीफिंग के दौरान अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था), नवागत अपर पुलिस आयुक्त मुख्यालय, जिलाधिकारी प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक माघ मेला, अपर पुलिस अधीक्षक माघ मेला, अपर पुलिस उपायुक्त नगर/नोडल अधिकारी माघ मेला, पीएसी, जल पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी विवेकानंद की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)।

लखनऊ। रायबरेली जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सलोंन के तत्वाधान में आज स लोन नगर स्थित सिटीजन पब्लिक इंटरमीडिएट कॉलेज में राष्ट्रीय युवा दिवस व स्वामी विवेकानंद के जन्म के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक राकेश शुक्ला ने विवेकानंद के मानचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य नागार्जुन प्रसाद गुप्त ने स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद एक व्यक्ति का नाम नहीं एक विचारधारा का नाम है वह एक प्रखर देशभक्त वह जन्मजात सन्यासी

थे बचपन से ही वह मेधावी और जिज्ञासु पर्वत के थे शिकागो राष्ट्र धर्म सम्मेलन में उन्होंने भारत की वैदिक धर्म हिंदू धर्म और भारत की आर्थिक संपन्नता के बारे में बोल कर भारत को विश्व में स्थापित किया था उन्होंने कहा था उठो जागो और लक्ष्य को प्राप्त करो जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए रुको नहीं हिंदू धर्म के अंदर जाति-पात का कोई आडंबर नहीं होना चाहिए सभी आपस में हिंदू हैं। वही इन्होंने भारत की कला संस्कृति विज्ञान और यहां के लोगों के जीवन के कार्यशैली में भी बहुत प्रकाश डाला था उनका जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा सूत्र है वही पीएलबी माधुरी मौर्य ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों पर प्रकाश डालकर सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी इस अवसर पर प्रधानाचार्य मिथिलेश शुक्ला, सरिता पांडे, नंदिनी सिंह, शैलेश वीपी सिंह, आदित्य लोहिया सहित विद्यालय के लगभग 350 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे को अधिसूचना: पीलीभीत के 39 गांवों को लाभ, बीसलपुर में खुलेगी विकास की नई राह

(जीएनएस)।

पीलीभीत, 12 जनवरी 2026: उत्तर प्रदेश सरकार ने शामली-गोरखपुर एक्सप्रेस-वे के निर्माण के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से पीलीभीत जिले के बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र के 39 गांव सीधे जुड़ेंगे, जिससे स्थानीय विकास को नई गति मिलेगी।बीसलपुर से भाजपा विधायक विवेक वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताते हुए इसे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि एक्सप्रेस-वे इन गांवों से होकर गुजरेगा, जिससे आवागमन आसान होगा और

जमीनों के दामों में उछाल आएगा।स्थानीय किसानों और ग्रामीणों को इससे व्यापारिक अवसर मिलेंगे। कृषि उत्पादों को बड़ी मंडियों तक पहुंचाना सस्ता व सरल हो जाएगा। अधिग्रहित भूमि के लिए उचित मुआवजा भी सुनिश्चित किया गया है।विधायक वर्मा ने औद्योगिक विकास पर जोर देते हुए कहा कि एक्सप्रेस-वे के किनारे बड़े उद्योग और कारखाने लगेंगे, जिससे युवाओं को रोजगार के द्वार खुलेंगे। पश्चिमी यूपी को पूर्वांचल से जोड़ने वाली यह परियोजना 'इंडस्ट्रियल कॉरिडोर' विकसित करेगी और तराई क्षेत्रों जैसे पीलीभीत के लिए विकास का नया माध्यम बनेगी।

पुलिस अधीक्षक से मिलने से पता चला कि ग्राम प्रधान की शिकायत निकली फर्जी तब किसानों ने की कार्यवाही की मांग

(जीएनएस)।

हरदोई/शाहाबाद थाना के अंतर्गत ग्राम पंचायत आगापुर के प्रधान अखिलेश कुमार भ्रष्टाचार में लुप्त होने के कारण किसान नेता को फर्जी मुकदमा में फंसाने का जाल रचा की अनिल कुमार पुत्र श्रीकृष्ण निवासी ग्राम आगापुर थाना शाहाबाद जिला हरदोई से प्रर्थना पत्र पुलिस अधीक्षक से 2 दिन पहेले मिले थे जिसमें किसान नेता सत्यवीर सिंह तुरंत क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण से निष्पक्ष जांच की मांग रखी जिसको महोदय ने तुरंत आदेशित करते हुए शाहाबाद कोतवाल सहित हल्का

दरोगा हरदीप सिंह ने किसान नेता को निर्दोष बताया और ये सब प्रधान अखिलेश कुमार का झूठा षडयंत्र पाया गया किसानों ने की कार्यवाही की मांग, भारतीय किसान यूनियन क्रांति की टीम हरदोई में भारी रोष व्याप्त है सभी कार्यकताओं ने पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा से दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की निष्पक्ष जांच कराने के लिए शाहाबाद पुलिस को बहुत बहुत बधाई जब किसान नेता सत्यवीर सिंह से संपर्क किया गया तो जिला अध्यक्ष ने कहा कि ईमानदार क्षेत्राधिकारी आलोक राज नारायण सहित थाना शाहाबाद के कोतवाल और हल्का दरोगा हरदीप सिंह को बहुत बहुत बधाई दी की सभी ने निर्दोष जांच करके आख्या दी पुलिस पर ईमानदारी का भरोसा रहेगा कायम

इसी तरह से पुलिस पर किसानों का भरोसा कायम रहेगा सभी किसान सबका सम्मान करते रहेंगे

सीएम योगी से मिले एआई के को-फाउंडर और सीईओ सिद्धार्थ भाटिया, बोले- एआई 'नेक्स्ट बिग थिंग'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हुई मुलाकात के दौरान प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। सिद्धार्थ भाटिया आगामी दिनों में स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एआई सेक्टर का प्रतिनिधित्व भी करेंगे।

(जीएनएस)।

लखनऊः विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश के लक्ष्य को लेकर प्रतिबद्ध डबल इंजन सरकार के प्रयास अब धरातल पर प्रभावी रूप से दिखाई देने लगे हैं। उत्तर प्रदेश में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी भविष्य आधारित तकनीक का प्रयोग विभिन्न क्षेत्रों में तेजी से हो रहा है। एआई को ही 'नेक्स्ट बिग थिंग' यानी अगला बड़ा परिवर्तन माना जा रहा है। पूछ एआई के को-फाउंडर और सीईओ सिद्धार्थ भाटिया ने यह बात कही।

सोमवार को उनकी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात हुई, जिसमें प्रदेश में एआई से जुड़े प्रयासों और इसे जनता तक अधिक सुलभ

बनाने को लेकर चर्चा हुई। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि जब शीर्ष नेतृत्व का विजन, उद्देश्य और महत्वाकांक्षा स्पष्ट होती है, तो उसके सकारात्मक परिणाम स्वतः ही धरातल पर दिखाई देते हैं।

भारत में ही रहे भारत का डेटा, सभी को मिले एआई का लाभ

पूछ एआई के सीईओ व को-फाउंडर सिद्धार्थ भाटिया के अनुसार, बीते कुछ वर्षों में भारत में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ा है। हालांकि, यह आवश्यक है कि भारत का डेटा भारत में ही सुरक्षित रहे। इससे एआई के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहायता मिलेगी। उन्होंने बताया कि उनकी टीम भारत में एआई को इस तरह सुलभ बनाने की दिशा में कार्य कर रही है, जिससे कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसान हो, गृहिणी, पेशेवर या छात्र, बिना किसी ऐप के कॉल या व्हाट्सऐप संदेश के माध्यम से समाधान प्राप्त कर सके।

रोजगार छिनने का नहीं, सृजन का माध्यम है एआई

सिद्धार्थ भाटिया ने कहा कि एआई रोजगार छीनने का नहीं, बल्कि रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि एआई का उपयोग समय की आवश्यकता है और जो इससे स्वयं को अनभिज्ञ रखेगा, वह पीछे रह जाएगा। भविष्य की जरूरत यह है कि सभी पेशेवरों सहित आम नागरिक भी एआई के प्रति न केवल जागरूक हों, बल्कि उसका प्रभावी उपयोग करें। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में इस दिशा में बड़े स्तर पर सराहनीय प्रयास हुए हैं, लेकिन इन्हें और आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

बीसलपुर तहसील में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकियू (भानु) की हुंकार

(जीएनएस)।

पीलीभीत जनपद की बीसलपुर तहसील अंतर्गत ग्राम कनपरी में सरकारी भूमि की खुलेआम लूट और लेखपाल अर्पित मिश्रा पर सौदेबाजी के गंभीर आरोपों ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। पारंपरिक तालाब और चकरोड जैसी सार्वजनिक उपयोग की भूमि पर धड़ल्ले से हो रहा अवैध निर्माण अब केवल अतिक्रमण नहीं, बल्कि तहसील प्रशासन के भीतर जड़ जमा चुके भ्रष्टाचार का जीवंत प्रमाण बन चुका है।

इस मामले को लेकर भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने बेहद आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। भाकियू (भानु) का साफ कहना है कि यह जमीन किसी लेखपाल या दबंग की निजी संपत्ति नहीं, बल्कि ग्राम समाज और किसानों की अमानत है, और इसकी लूट किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भाकियू (भानु) ने आरोप लगाया कि लेखपाल अर्पित मिश्रा की भूमिका संदिग्ध है और बिना तहसील प्रशासन की मिलीभगत के तालाब व चकरोड जैसी भूमि पर निर्माण संभव ही नहीं है। यह सीधे तौर पर सरकारी अभिलेखों से छेड़छाड़, संरक्षण और भ्रष्ट सौदेबाजी की ओर इशारा करता है।

संघठन ने दो टूक चेतावनी दी है कि यदि तत्काल प्रभाव से अवैध निर्माण नहीं रोका गया,सरकारी भूमि को कब्जामुक्त नहीं कराया गया, और दोषी अधिकारियों व कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई,तो भाकियू (भानु) सड़क से लेकर तहसील, जिला मुख्यालय और शासन स्तर तक बड़ा आंदोलन छेड़ेगी।भाकियू (भानु) का कहना है कि

तालाब पाटकर, चकरोड बेचकर और सरकारी जमीन को नीलाम करने वाला तंत्र अब बेनकाब हो चुका है।

यह लड़ाई केवल कनपरी गांव की नहीं, बल्कि किसानों, ग्रामीणों और आने वाली पीढ़ियों के हक की लड़ाई है।अब प्रशासन के सामने केवल दो रास्ते हैं—

या तो भ्रष्टाचारियों पर तुरंत कार्रवाई करे,या फिर किसानों के आंदोलन का सामना करने के लिए तैयार रहे।सरकारी भूमि की लूट पर भाकियू (भानु) का जवाब— संघर्ष, आंदोलन और आर-पार की लड़ाई।

सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना पर हितधारकों से परामर्श बैठक सम्पन्न

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना पर हितधारकों से परामर्श बैठक की

श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा विकसित भारत @2047 दृष्टिकोण के अनुरूप, रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट विनिर्माण योजना आत्मनिर्भर, अनुकूल और वैश्विक स्तर के प्रतिस्पर्धी परितंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

(जीएनएस)।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने आज दुर्लभ पृथ्वी तत्वों से बनने वाले सिंटर्ड रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट के निर्माण को बढ़ावा देने की योजना' पर हितधारकों के साथ परामर्श बैठक की। बैठक में भारी उद्योग मंत्रालय सचिव; परमाणु ऊर्जा विभाग सचिव; इंडियन रेअर अर्थ्स लिमिटेड के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक; राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के तकनीकी निदेशक, अलौह सामग्री प्रौद्योगिकी विकास केंद्र के निदेशक और भारत एवं विदेश के विभिन्न औद्योगिक हितधारकों ने भाग लिया।

श्री कुमारस्वामी ने अपने आरंभिक संबोधन में कहा कि यह योजना वर्ष 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण अनुरूप, नवीकरणीय विकास परियोजनाओं के लिए आत्मनिर्भर, मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी परितंत्र स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री ने सभी पात्र घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कंपनियों से इस अवसर का लाभ उठाने और बोली प्रक्रिया में भाग लेकर भारत के दीर्घकालिक विकास में योगदान देने का आग्रह किया। श्री कुमारस्वामी ने बताया कि मंत्रालय प्रस्ताव अनुरोध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त सचिव ने 15 दिसंबर, 2025 को अधिसूचित योजना की प्रमुख विशेषताओं की जानकारी दी।

कुल 7,280 करोड़ रुपये के वित्तीय परिव्यय की इस योजना में बिक्री से जुड़े प्रोत्साहन के रूप में 6,450 करोड़ रुपये और भारत में प्रति वर्ष 6,000 मिलियन टन रेयर अर्थ परमानेंट मैग्नेट- आरईपीएम विनिर्माण क्षमता स्थापित करने पर 750 करोड़ रुपये की पूंजी सब्सिडी शामिल है। इससे आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा और देश वैश्विक दुर्लभ मृदा चुंबकों बाजार में प्रमुख विनिर्माणकर्ता के रूप में स्थापित होगा।

यह योजना आवंटन की तिथि से कुल 7 वर्षों की अवधि के लिए है, जिसमें एकीकृत आरईपीएम उत्पादन सुविधा स्थापित करने के लिए 2 वर्ष की आरंभिक अवधि और इसकी बिक्री पर प्रोत्साहन राशि के वितरण के लिए 5 वर्ष शामिल हैं।

श्रम एवं सेवायोजन मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह के हाथों मिला पत्रकार महेश सिंह को आईडी कार्ड।

लखनऊ : राजधानी एवं आस्था नगरी प्रयागराज में अपनी पत्रकारिता से विशेष पहचान बनाने वाले वर्तमान भारत मीडिया हाउस वी आर द फ्यूचर के धाकड़ पत्रकार महेश सिंह को श्रम एवं सेवायोजन मंत्री ठाकुर रघुराज सिंह ने महेश की पत्रकारिता

और निष्पक्ष रवैए की सराहना करते हुए संस्था का आईडी कार्ड दिया और उनके उज्जवल भविष्य की मंगलकामनाएं दी ।

द्वित्तीय वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इजराइल का दौरा

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री 'सामुद्रिक खाद्य सुरक्षा: दक्षिण-पूर्व एशिया (सीईए) का सामुद्रिक भविष्य' पर आयोजित द्वितीय वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इजराइल का दौरा करेंगे

(जीएनएस)।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, इजरायल के कृषि और खाद्य सुरक्षा मंत्री श्री एवी डिक्टर के आमंत्रण पर 13 से 15 जनवरी 2026 तक इजरायल के इलात में आयोजित हो रहे ह्सामुद्रिक खाद्य सुरक्षा: दक्षिण-पूर्व एशिया (सीईए) का सामुद्रिक भविष्यह्व पर आयोजित द्वितीय वैश्विक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए इजराइल का दौरा करेंगे। यह यात्रा भारत और इजरायल के बीच बढ़ते कार्यनीतिक और आर्थिक संबंधों को रेखांकित करती है और मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

इस यात्रा के दौरान, सी द फ्यूचर समिट में भाग लेने के अतिरिक्त, श्री राजीव रंजन सिंह के अपने इजरायली समकक्ष मंत्री एवी डिक्टर और सम्मेलन में भाग लेने वाले अन्य देशों के मंत्रियों के साथ अलग-अलग द्विपक्षीय बैठकें करने की भी उम्मीद है। चचार्ओं में नीतिगत सामंजस्य और संस्थागत साझेदारी के माध्यम से द्विपक्षीय सहयोग को सुदृढ़ करने, टिकाऊ मत्स्य प्रबंधन और आधुनिक जलीय कृषि प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, अनुसंधान, क्षमता निर्माण और नवाचार संबंधों को बढ़ाने, बेहतर बाजार पहुंच और मानकों के माध्यम से व्यापार और निवेश को सुगम बनाने, उन्नत जलीय कृषि में संयुक्त अनुसंधान एवं विकास करने और स्थिरता, जलवायु लचीलापन और खाद्य सुरक्षा पर बल देते हुए सामुद्रिक अर्थव्यवस्था के एजेंडे को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है। श्री सिंह कृषि, मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में इजराइल की प्रमुख कंपनियों/स्टार्टअप्स के सीईओ से भी मुलाकात करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रमुख संस्थानों और नवाचार केंद्रों का दौरा शामिल है, जो मत्स्य पालन और जलीय कृषि के क्षेत्र में इजराइल के अत्याधुनिक प्रौद्योगिकीय इकोसिस्टम की जानकारी प्रदान करेंगे।